

	<p> Αξιολόγου διηγήσεως, ὦ Φυλόκρατες, περὶ τῆς γεννηθείσης ἡμῖν ἐντυχίας πρὸς Ἑλεάζαρον τὸν τῶν Ἰουδαίων ἀρχιερέα σύνεσταμένης, διὰ τὸ σὲ περὶ πολλοῦ πεποιθῆσθαι, παρ’ ἑκαστα ὑπομνησκοντ’, συνακοῦσαι περὶ ὧν ἀπεστάλημεν καὶ διὰ τί, πεπείραμαι σαφῶς ἐκθέσθαι σοι, κατεilverφῶς ἦν ἔχεις φιλομαθῇ διάθεσιν, ὅπερ μέγιστόν ἐστιν ἀνθρώπῳ, προσμανθάνειν ἀεὶ τι καὶ προσλαμβάνειν, ἥτοι κατὰ τὰς ἱστορίας, ἥ καὶ κατ’ αὐτὸ τὸ πρᾶγμα πεπειραμένῳ. οὕτω γάρ κατασκευάζεται ψυχῆς καθαρὰ διάθεσις, ἀναλαβοῦσα τὰ κάλλιστα· καὶ πρὸς τὸ πάντων κυριώτατον νενεκυῖα τὴν εὐσέβειαν ἀπλανεῖ κεκρημένη κανόνι διοικεῖ. Τὴν προαίρεσιν ἔχοντες ἡμεῖς πρὸς τὸ περιέργως τὰ θεῖα κατανοεῖν, ἑαυτοὺς ἐπεδῶκαμεν εἰς τὸν προειρημένον ἄνδρα πρεσβεῖαν, καλοκαγαθῶ καὶ δόξῃ προτετιμημένον ὑπὸ τε τῶν πολιτῶν καὶ τῶν ἄλλων, καὶ κατακεκτημένον μεγίστην ὠφέλειαν τοῖς σὺν ἑαυτῷ καὶ τοῖς κατὰ τοὺς ἄλλους τόπους πολίταις, πρὸς τὴν ἐρμηνείαν τοῦ θεοῦ νόμου, διὰ τὸ γεγράφθαι παρ’ αὐτοῖς ἐν διφθέραις ἑβραϊκοῖς γράμμασιν. ἦν δὴ καὶ ἐποησάμεθα ἡμεῖς σπουδῇ, λαβόντες καιρὸν πρὸς τὸν βασιλέα περὶ τῶν μετοικισθέντων εἰς Αἴγυπτον ἐκ τῆς Ἰουδαίας ὑπὸ τοῦ πατρὸς τοῦ βασιλέως, πρώτως κεκτημένου τὴν τε πόλιν καὶ τὰ κατὰ τὴν Αἴγυπτον παρεληφότος. Ἄξιόν ἐστι καὶ ταῦτά σοι δηλῶσαι. πέπεισμαι γάρ σε μάλλον ἔχοντα πρόσκλιsin πρὸς τὴν σεμνότητα καὶ τὴν τῶν ἀνθρώπων διάθεσιν τῶν κατὰ τὴν σεμνὴν νομοθεσίαν διεξαγόντων, περὶ ὧν προαιρούμεθα δηλοῦν, ἀσμένως σε </p>	<p>1</p> <p>2</p> <p>3</p> <p>4</p> <p>5</p>
--	----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	----------------------------------------------

<p> 2 εντυχίας GZ συνισταμενος T 3 υπομνησκειν Wend. (σκων codd omn 4 ων] ου K 6 προσμανναντι Z 7 om και I κατ αυτο] κατα ταυτο HKAGI πεπειραμενων HKGIT 8 διαθεσις καθ. K. 9 κυριωτερον K 10 διοικ. την προαιρεσιν. Εχοντες codd corr Wend. 11 προεδωκ. TZ εις] εις την προς Wend. 12 τετιμ. TZ 13 κατεκτημ. HAI κατακτ. G txt KTZ 16 αυτου T 17 post σπουδη lacunam statuit Wend. 19 om τα TZ 21 προσκλησιν codd 23 δηλουντες μεν ως σε codd, txt ex conj Schmidt </p>	<p>HKAGITZ</p>
---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	----------------

	<p> ἀκούσεσθαι, προσφάτως παραγεγεννημένον ἐκ τῆς νήσου πρὸς ἡμᾶς, καὶ βουλόμενον συνακοῦειν ὅσα πρὸς ἐπίσκεψιν ψυχῆς ὑπάρχει. καὶ πρότερον δὲ διεπεμψάμην σοι περὶ ὧν ἐνόμιζον ἀξιωμανημονεύων εἶναι τὴν ἀναγραφὴν, ἣν μετελάβομεν παρὰ τῶν κατὰ τὴν λογιωτάτην Αἴγυπτον λογιωτάτων ἀρχιερέων περὶ τοῦ γένους τῶν Ἰουδαίων. φιλομαθῶς γάρ ἔχοντί σοι περὶ τῶν δυναμένων ὠφελῆσαι διάνοιαν δέον ἐστὶ μεταδιδόναι, μάλιστα μὲν πᾶσι τοῖς ὁμοίοις, πολλῷ δὲ μάλλον σοὶ γνησίαν ἔχοντι τὴν αἵρεσιν, οὐ μόνον κατὰ τὸ συγγενὲς ἀδελφῷ καθεστῶτι τὸν τρόπον, ἀλλὰ καὶ τῇ πρὸς τὸ καλὸν ὀρμῇ τὸν αὐτὸν ὄντα ἡμῖν. χρυσοῦ γάρ χάρις ἦ κατασκευῇ τις ἄλλη τῶν τετιμημένων παρὰ τοῖς κενοδόχοις ὠφέλειαν οὐκ ἔχει τὴν αὐτὴν, ὅσον ἡ παιδείας ἀγωγή καὶ ἡ περὶ τούτων φροντίς· ἵνα δὲ μὴ περὶ τῶν προλεγομένων μηκύνοντες ἀδόλεσχόν τι ποιῶμεν, ἐπὶ τὸ συνεχὲς τῆς διηγήσεως ἐπανήξομεν. </p>	<p>6</p> <p>7</p> <p>8</p>
	<p> [§]Κατασταθεὶς ἐπὶ τῆς τοῦ βασιλέως βιβλιοθήκης Δημήτριος ὁ Φαληρεὺς ἐχηρηματίσθη πολλὰ διάφορα πρὸς τὸ συναγαγεῖν, εἰ δυντόν, ἅπαντα τὰ κατὰ τὴν οἰκουμένην βιβλία· καὶ ποιούμενος ἀγορασμοὺς καὶ μεταγραφάς ἐπὶ τέλος ἤγαγεν, ὅσον ἐφ’ ἑαυτῷ, τὴν τοῦ βασιλέως ορόθεσιν. παρόντων οὖν ἡμῶν ἐρωτηθεὶς Πόσαι τινὲς μυριάδες τυγχάνουσι βιβλίων; εἶπεν Ὑπὲρ τὰς εἴκοσι, βασιλεῦ· σπουδάσω δ’ ἐν ὀλίγῳ πρὸς τὸ πληρωθῆναι πεντήκοντα μυριάδας τὰ λοιπά. προσήγγελται δέ μοι καὶ τῶν Ἰουδαίων νόμιμα μεταγραφῆς ἄξια καὶ τῆς παρὰ σοὶ βιβλιοθήκης εἶναι. Τί τὸ κωλύον οὖν, εἶπεν, ἐστὶ σε τοῦτο ποιῆσαι; πάντα γάρ ὑποτέτακται σοι τὰ πρὸς τὴν χρεῖαν. Ὅ δὲ Δημήτριος εἶπεν Ἑρμηνείας προσδεῖται· χαρακτηρισί γάρ ἰδίοις κατὰ τὴν Ἰουδαίων χρῶνται, καθάπερ Αἰγύπτιοι τῇ τῶν γραμμάτων θέσει, καθὼ καὶ φωνὴν ἰδίαν ἔχουσιν. ὑπολαμβάνονται Συριακῇ χρῆσθαι· τὸ δ’ </p>	<p>9 § Jos Eus</p> <p>10</p> <p>11</p>

<p> 3 διεπεμψ. σοι] διεπεμψαμεθα G 6 σοι] μοι conj Schmidt 7 μαλιστα] μάλλον G 8 γνησιως G 9 αλλα και τον τροπον Wend. 12 παιδεια αυτη G παιδειας διαγ. I 14 ποιουμεν Z παθωμεν G^{vid} επανηξωμεν K 16 om ει δυνατον Eus 19 ουν ins Eus om Ar codd 21 σποθδασω Eus πληρωσω Ar 22 προσηγγελται Eus (cf Jos μεμνηνυσθαι)] προσαγγελλεται codd των] pr τα Eus 24 εστι σε] αυτοι G αποτετακται Eus 28 θπολαμβανονται] + δε Eus </p>	<p>HKAGITZ</p> <p>Jos Eus</p>
------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	-------------------------------

	<p> οὐκ ἔστιν, ἀλλ’ ἕτερος τρόπος. Μεταλαβοῖν δὲ ἑκαστα ὁ βασιλεὺς εἶπε γραφῆναι πρὸς τὸν ἀρχιερέα τῶν Ἰουδαίων, ὅπως τὰ προειρημένα τελείωσιν λάβῃ.[¶] Νομίσας δὲ ἐγὼ καιρὸν εἶναι περὶ ὧν πολυλάκεις ἠξίωκειν Σωσιβιὸν τε τὸν Ταραντῖνον καὶ Ἀνδρέαν, τοὺς ἀρχισματωφύλακας, περὶ τῆς ἀπολυτρόσεως τῶν μετηγμένων ἐκ τῆς Ἰουδαίας ὑπὸ τοῦ πατρὸς τοῦ βασιλέως—ἐκεῖνος γάρ ἐπελθὼν τὰ κατὰ κοίλην Συρίαν καὶ Φοινίκην ἅπαντα, συγχρόμενος εὐημερίᾳ μετὰ ἀνδρείας, τοὺς μὲν μετώκιζεν, οὓς δὲ ἡχμαλώτιζε, φόβῳ πάντα ὑποχείρια ποιούμενος· ἐν ὅσῳ καὶ πρὸς δέκα μυριάδας ἐκ τῆς τῶν Ἰουδαίων χώρας εἰς Αἴγυπτον μετήγαγεν, ἀφ’ ὧν ὥσει τρεῖς μυριάδας καθοπλίσας ἀνδρῶν ἐκλεκτῶν εἰς τὴν χώραν κατώκισεν ἐν τοῖς φρουρίοις (ἦδη μὲν καὶ πρότερον ἱκανῶν εἰσεληλυθότων σὺν τῷ </p>	<p>12 ¶ Eus</p> <p>13</p>
--	--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	---------------------------